अष्टनायिका : संध्या पुरेचा द्वारा भरतनाट्यम प्रस्तुति

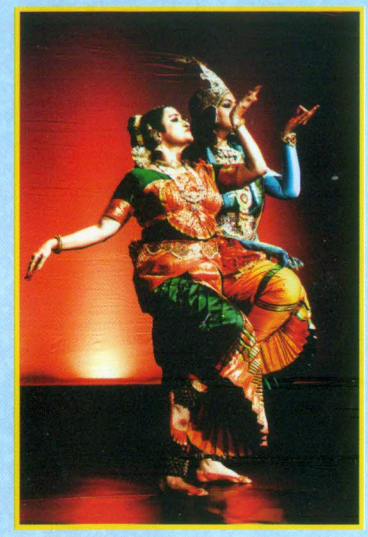

हैं। आप भारत कॉलेज ऑफ फ़ाइन आर्ट्स एंडकल्चर की संस्थापक प्रधानाचार्या, सरफोजिराजे भोसले केंद्र की संस्थापिका हैं तथा आपने 'हमारी सांस्कृतिक विरासत को बचाएँ' अभियान की शुरुआत की है। अपने शानदार कार्यजीवन में आपको विभिन्न पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें प्रमुख हैं : महाराष्ट्र राज्य महाकवि कालिदास संस्कृत साधना पुरस्कार, महाराष्ट्र राज्य सांस्कृतिक पुरस्कार एवं गुजरात गौरव पुरस्कार।

अष्टनायिका

जयदेव कृत *गीत गोविंद* पर आधारित

परिकल्पना, नृत्य–निर्देशन एवं निर्देशन : **संध्या वी. पुरेचा**

संगीत व्यवस्था एवं स्वर : **शिवप्रसाद**

मृदंगम एवं शोला : **सतीश कृष्णमूर्ति**

वायलिन : **नारायण पार्थसारथि**

बाँसुरी : **विजय तांबे**

प्रस्तुति : राधा के रूप में **संध्या वी. पुरेचा** तथा कृष्ण के रूप में उनकी शिष्या **शांति महांति दवे**

सखियों के रूप में **मंदिरा जोशी** एवं **सुहानी धनकी**

अन्य चरित्र : **चित्रा दलवी** एवं **पुष्करा देवचके**

कार्यक्रम अधिशासी एवं वेश-भूषा : **भावना**

प्रकाश : **संदीप दत्त**

रूप-सज्जा : **बृजमोहन मिश्र**

साहित्य अकादेमी

रवींद्र भवन, 35, फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली 110001

वेबसाइट : http://sahitya-akademi.gov.in/sahitya-akademi/index.jsp

साहित्योत्सव
Festival of Letters
21 - 26 February 2017

Enchanting Expressions of India

Ashtanayika

A Bharatanatyam performance by

Sandhya Purecha

February 22, 2017

Bharatanatyam: One of the most exquisite dance forms, Bharatanatyam, accompanied by music and singing, is easily one of the oldest cultural expressions of the Indian sub-continent. It is performed on a wide range of platforms, events and situations – ranging from religious festivals to cultural events.

Ashtanayika: Jayadeva's *Gita Govind Kavyam* is an opulent poetic creation evoking the Rasas. Bountiful in melody, captivating rhythms and scintillating dances, the verses of *Gita Govind* are unparalleled paradigms of the traditions of Indian art and culture. In this production, the description of the Ashtanayikas, eight types of heroines from the *Natyashastra*, are depicted through the characters of the *Gita Govind* - Radha and her Sakhi.

Sandhya Purecha is one of the most distinguished Bharatanatyam performing academician, ingenious choreographer-innovator, prolific writer and scholar-researcher of

Ashtanayika: A Bharatanatyam performance by Sandhya Purecha

Sanskrit vis-à-vis Indian classical dance. She is the founder Principal of Bharata College of Fine Arts and Culture, Founder of Sarfojiraje Bhosale Centre and initiator of 'Save Our Cultural Heritage.' In her illustrious career, she has been honoured with a number of awards and accolades, chief among which are: Maharashtra Rajya Mahakavi Kalidas Sanskrit Sadhana Puraskar, Maharashtra State Cultural Award and Gujarat Gaurav Puraskar.

ASHTANAYIKA

Based on Jayadeva's *Gita Govinda*

Concept, Choreography and Direction: **Sandhya V Purecha**

Music Arrangement & Vocal: **Sivaprasad**

Mridangam & Sholla: **Satish Krishnamoorthy**

Violin: **Narayan Parthasarthy**

Flute: **Vijay Tambe**

Performance by: **Sandhya V. Purecha** as **Radha** and her disciples **Shanti Mohanty Dave** as *Krishna*, **Mandira Joshi** and **Suhani Dhanki** as the Sakhis, **Chitra Dalvi** and **Pushkara Deochake** as others

Programme Executive & Costumes: **Bhavna**

Lights: **Sandeep Dutta**

Make-Up Artist: **Brij Mohan Mishra**

SAHITYA AKADEMI

Rabindra Bhavan, 35, Ferozeshah Road, New Delhi-110001

Website: http://sahitya-akademi.gov.in/sahitya-akademi/index.jsp

साहित्योत्सव
Festival of Letters
21 - 26 February 2017

भारत की सम्मोहक अभिव्यक्तियाँ

अष्टनायिका

संध्या पुरेचा द्वारा भरतनाट्यम प्रस्तुति

22 फ़रवरी 2017

भरतनाट्यम : उत्कृष्ट नृत्य शैलियों में से एक भरतनाट्यम प्राचीन कला शैली भी है। संगीत और गायन से युक्त यह नृत्य शैली भारतीय उपमहाद्वीप की सर्वाधिक पुरानी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों में से एक है। इसका प्रदर्शन बड़े पैमाने पर विभिन्न धार्मिक उत्सवों से लेकर सांस्कृतिक आयोजनों तक में विभिन्न मंचों पर किया जाता है।

अष्टनायिका : जयदेव कृत *गीत गोविंद* काव्य रसोद्रेक का ख़ज़ाना है। सुरीले संगीत, सम्मोहक लय और भव्य नृत्य से भरपूर, *गीत गोविंद* के पद भारतीय कला एवं संस्कृति की परंपरा के अप्रतिम उदाहरण हैं। अष्टनायिका नामक इस प्रस्तुति में *गीत गोविंद* के चरित्रों राधा और उसकी सखी के माध्यम से नाट्यशास्त्र में वर्णित आठ प्रकार की नायिकाओं का चित्रण किया गया है।

संध्या पुरेचा : आप भरतनाट्यम प्रस्तुति करनेवाली सर्वाधिक प्रतिष्ठित शिक्षिका, सुयोग्य नृत्य–निर्देशिका–अन्वेषिका, बहुसर्जनात्मक लेखिका तथा संस्कृत एवं भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विदुषी गवेषक